those Blocks, we randomly selected certain villages, and in those villages, again, we selected certain groups of farmers. We collected information from them and from their fields. By and large, we haven't come across that kind of a situation so far.

Now, as far as the question of availability of water is concerned, I must accept that there is too much pressure on our water resources in the country. The percentage of water-lifting from the soil is very high. Wastage of water is also a serious concern, and that is why we have been facing problems. The solution for that is an effective water conservation programme and an effective management of water resources. These are the two most important things. We have constant dialogues with State Governments. Even through NREGA, our thrust is to give more weightage to such programmes. We do expect that there will be good results.

MR. CHAIRMAN: Question 322.

पक्ष्चिम रेवले के अन्तर्गत आमान परिवर्तन किया जाना

***श्री थावर चन्द गहलोत**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रेलवे ने पक्ष्चिम रेलवे के अन्तर्गत आने वाले किन-किन रेल मार्गों के आवान परिवर्तन की स्वीकृति प्रदान की है और उक्त स्वीकृति किस-किस परख को दी गई है;

(ख) उपरोक्त स्वीकृतियों की तुलना में किन-किन रेलमार्गों का कितना-कितना आमान परिवर्तन कर दिया गया है; और

(ग) रतलाम जंक्शन से इंदौर, माऊ, खंडवा रेल लाइन के आमान परिवर्तन के कार्य को कब तक पूरा कर लिया जाएगा?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भरतसिंह सोलंकी): (क) से (ग) पक्ष्चिम रेलवे के अंतर्गत आमान परिवर्तन की 10 परियोजनाएं स्वीकृत की गई थी, जिनमें से 4 परियोजनाएं अर्थात् भरूच-समनी-दाहेज (62.36 किमी.), प्रतापनगर-छोटाउदयपुर (99.27 किमी.), अंकलेश्वर-राजपीपला (62.89 किमी.) और पीपावाव और सुरेन्द्रनगर-ध्रगधरा (419.48 किमी.), तक विस्तार सहित सुरेन्द्रनगर-भावनगर-ढोला-ढासा-महुआ को पूरा कर लिया गया है और शेष 6 परियोजलाएं प्रगति के विभिन्न चरणों में हैं। चालू परियोजनाओं का परियोजना-वार विवरण और उनका स्वीकृति/बजट में शामिल करने का वर्ष नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति/बजट में शामिल करने का वर्ष
1.	रतलाम-महोव-खंडवा-अकोला (472.64 किमी.)	2008-09
2.	अहमदाबाद-हिम्मतनगर-उदयपुर (299.20 किमी.) और मोदसा-समलाजी के बीच नई लाइन (22.53 किमी.)	2008-09
3.	वयोर तक विस्तार (24.65 किमी.) सहित भुज-नलिया (101.35 किमी.)	2008-09
4.	राजकोट-वेरावल, सापुर-सराडिया के लिए नए मैटिरियल मौडिफिकेशन सहित वांसजलिया से जेतलसर तक और वेरावल से सोमनाथ तक नई लाइन और सौमनाथ-कोडीनर (365.54 (किमी.)	1994-95

5.	मेहसाणा-तरंगा हिल के लिए नए मैटिरियल मौडिफिकेशन सहित भिलडी-वीरमगाम (213.03 किमी)	1990-91
6.	विद्युतीकरण सहित मियागांव-कर्जन-धबोई-शमल्या (96.46 किमी.)	2011.12

इन चालू परियोजनाओं में से राजकोट-वेरावल सोमनाथ और वांसजलिया-जेतलसर (321.61 किमी.) और वीरमगाम-महसाणा-पाटन (104.79 किमी.) खडों के आमान परिवर्तन का कार्य पूरा हो गया है।

संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार, शेष कार्य आगामी वर्षों में पूरे किए जाएंगे।

उपरोक्त चालू परियोजनाओं के अलावा, बोटाड-अहमदाबाद (170.48 किमी.) और ढासा-जेतलसर (104.44 किमी.) के आमान परिवर्तन के कार्य को भी 2012-13 के बजट में शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है।

Gauge Conversion Under Western Railway

†*322. **SHRI THAAWAR CHAND GEHLOT:** Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the railway routes under Western Railway for which Railways have given approval for gauge conversion, along with the dates of approval;

(b) the extent of gauge converted against the above approvals, rail route-wise; and

(c) by when the gauge conversion of the railway line from Ratlam junction to Indore, Mhow and Khandwa would be completed?

THE MINISTER STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI BHARAT SINH SOLANKI): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) 10 gauge conversion projects were approved under Western Railway, out of which 4 projects namely Bharuch-Samni-Dahej (62.36 km.), Pratapnagar-Chhotaudepur (99.27 km.), Ankeshwer-Rajpipla (62.89 km.) and Surendernagar-Bhavnagar-Dhola-Dhasa-Mahuva with extension to Pipavav and Surendernagar-Dhrangadhra (419.48 km.) have been completed and remaining 6 projects are in different stages of progress. The project-wise details of the projects in progress and their year of sanction/inclusion in the Budget are as under:

Sl. No.	Name of the Project	Year of sanction/ inclusion in the budget
1	2	3
1.	Ratlam-Mhow-Khandwa-Akola (472.64 km.)	2008-09
2.	Ahemdabad-Himmatnagar-Udaipur (299.20 km.) and new line between Modasa-Samlaji (22.53 km.)	2008-09

† Original notice of the question was received in Hindi

1	2	3
3.	Bhuj-Naliya (101.35 km) with extension to Vayor (24.65 km.)	2008-09
4.	Rajkot-Veraval, Wansjaliya to jetalsar with new material modification for shapur-Saradiya and new line from Veraval to Somnath and Somnath-Kodinar (363.54 km.)	1994-95
5.	Bhildi-Viramgam with new Material modification for Mehsana-Taranga Hill (213.03)	1990-91
6.	Miyagaon-Karjan-Dhaboi-Shamlya (96.46 km.) with electrification	2011-12

On these ongoing projects, gauge conversion of Rajkot-Veraval-Somnath and Wansjaliya-Jetalsar (321.61 krn) and Viramgam-Mahesana-Patan (104.79 km.) sections have been completed.

Remaining works will be completed in coming years subject to availability of resources.

Besides above ongoing projects, gauge conversion of Botad-Ahmedabad (170.48 km.) and Dhasa-Jetalsar (104.44 km.) have also been proposed for inclusion in the Budget 2012-13.

श्री थावर चन्द गहलोत: माननीय सभापति महोदय, मेरे प्रश्न के भाग (ख) और (ग) का उत्तर नहीं आया है। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जिन मार्गों के आमान परिवर्तन की स्वीकृतियां हुई हैं, उनके आर्थिक और भौतिक लक्ष्य क्या थे और अभी तक वर्षवार कितना-कितना काम हो गया है?

श्री भरतसिंह सोलंकी: माननीय सभापति जी, जैसाकि उत्तर में बताया गया है कि Gauge Conversion के 10 प्रोजेक्टस थे जिनमें से 4 प्रोजेक्ट्स जैसे भरुच-समनी-दाहेज, प्रतापनगर-छोटा उदयपुर, अंकलेश्वर-राजपीपला, सुरेन्द्रनगर-भावनगर-ढोला-ढासा महुवा with extension of पीपावाव और ध्रगंधरा - ये सब हो गए हैं और बाकी के प्रोजेक्ट्स के, जैसे रतनाम-महोव-खंडवा-अकोला, अहमदाबाद-हिम्मतनगर-उदयपुर, भुज-नलिया with extension of राजकोट-वेरावल, वासंजलिया से जेतलसर। साथ में भिलड़ी-वीरमगाम और मेहसाणा-तरंगा और छठा प्रोजेक्ट मियागांव-कर्जन-धबोई-शमल्या पर काम चल रहा है।

श्री थावर चन्द गहलोत: सर, मंत्री जी ने मेरे पहले प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। उन्होंने कहा कि काम चल रहा है। मैंने पूछा है कि आर्थिक और भौतिक लक्ष्य और उनके विरुद्ध उपलब्धि की प्रोग्रेस क्या है? इस बारे में मंत्री जी कुछ नहीं बता रहे हैं। महोदय, आप इसमें देखें, वर्ष 1994-95 से एक योजना स्वीकृत है, 1990-91 से है, 2008-09 से है, उनके बारे में अभी तक क्या किया है, यह माननीय मंत्री जी बताने के लिए तैयार नहीं हैं। जिन चार योजनाओं को पूरा कर लिया गया है, उसकी जानकारी उन्होंने दे दी, लेकिन जो 6 योजनाएं

निर्माणाधीन हैं, उनके लिए वर्षवार बजटवार प्रावधान कितना था उसके against भौतिक उपलब्धि कितनी हुई, यह मैंने पूछा था और प्रश्न के (ग) में पूछा था कि इन योजनाओं को कब तक पूरा कर लिया जाएगा? महोदय, डिटेल्स प्रोजेक्ट रिपोर्ट में दिया जाता है कि फेजवाइज इतना-इतना काम करेंगे और इस वर्ष में यह कार्य पूरा करेंगे। तो मैं माननीय मत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि वे यह जानकारी दें और सभापति महोदय, आपसे भी आग्रह करूंगा कि आप यह जानकारी दिलवाएं।

श्री भरतसिंह सोलंकी: चेयरमैन सर, जैसाकि माननीय सदस्य छः प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी चाहते हैं, रतलाम-महोव-खंडवा-अकोला क्षेत्र मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से गुजरता है और वेस्टर्न रेलवे में आता है। इनके दो गेज कंवर्जन हैं। इसकी लम्बाई 472 किलोमीटर है और स्वीकृति वर्ष 2008-09 है। इसकी लेटेस्ट कॉस्ट 1421 करोड़ रुपए है और अभी तक 80 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। आने वाले समय में 2012-13 में 35 करोड़ रुपए और खर्च होने वाले हैं। तो यह काम चल रहा है। आपने यह भी पूछा कि इसके पूर्ण होने की टारगेट तिथि क्या है। टारगेट के लिए जो उपलब्धियां होती हैं, रिसोर्सेज होते हैं, रिसोर्सेज के हिसाब से ये काम चलते हैं, उस हिसाब से वह काम पूरा किया जाता है।

उसी तरह अहमदाबाद-हिम्मतनगर-उदयपुर के बारे में भी यह दो गेज कंवर्जन का काम है। इसकी लम्बाई 321 किलोमीटर है। इसका सैंक्शन 2008-09 में हुआ था। इसकी कॉस्ट 798 करोड़ रुपए है। इस पर मर्च तक एन्टीसिपेट्री एक्सपेंडिचर 72 करोड़ 78 लाख रुपए है। 2012-13 में इस पर 35 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा 2008-09 में भुज-नलिया का प्रोजेक्ट सैंक्शन हुआ था। उसकी लेटेस्ट कॉस्ट 468 करोड़ रुपए है। इस पर एन्टीसिपेट्री एक्सपेंडिचर 45 करोड़ रुपए और 2012-13 में इस पर 50 करोड़ रुपए और खर्च होंगे। उसी तरह राजकोट-वेरावल, वांसजलिया-जेतलसर के प्रोजेक्ट 1994-95 में सैंक्शन हुए थे। इसकी लेटेस्ट कॉस्ट 931 करोड़ रुपए है। अब तक 467 करोड़ रुपए की लागत खर्च आई है। इसके लिए आउटले 15 करोड़ रुपए रखा गया है।

श्री सभापति: अब आपका सब हो गया, डिटेल्स मिल गई?

श्री थावर चन्द गहलोत: सर, उत्तर तो आया ही नहीं। अगर मैं माननीय मंत्री जी को ठीक से बता नहीं पा रहा हूं तो फिर से निवेदन करना चाहता हूं। वर्षवार बजट प्रावधान और उसके विरुद्ध भौतिक उपलब्धियों के बारे में मैंने पूछा है। वह तो बतला नहीं रहे हैं।

श्री सभापति: आप उनको डिटेल्ड इंफार्मेशन भेज दीजिए।

श्री भरतसिंह सोलंकी: मैं भेज दूंगा।

श्री सभापति: अब आपको डिटेल्ड इंफार्मेशन मिल जाएगी। अब आपका कोई दूसर प्रश्न है?

श्री थावर चन्द गहलोत: जी, मैं माननीय मंत्री जी ये यह जानना चाहता हूं कि रतलाम-महोव-खंडवा-अकोला के लिए जो आमान परिवर्तन की स्वीकृति हुई है, उसमें आपने कितना बजट प्रावधन किया और इन चार सालों में अभी तक क्या-क्या काम करवाए हैं? केवल इतना बदला दें।

श्री सभापति: वे आपको यह सब लिखित मे भेज देंगे। मेरा ख्याल है कि डिटेल्ड इंफार्मेशन ठीक रहेगी।

श्री भगत सिंह कोश्यारी: ऐसे तो सभी मंत्री करने लगेंगे। ...(***व्यवधान***)

श्री सभापति: अगर लम्बे-लम्बे टेबिल पढ़े जाएंगे तो दूसरा प्रश्न नहीं हो सकता।

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: सर, यह भी निर्देश दीजिए कि वे तैयारी करके आया करें।

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, we can have a correspondence school. (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Venkaiahji, I think it will be more productive from the point of view of the hon. Member if this information is given, in writing, in a tabulated form. Now, Mr. Naresh Agrawal. यह सवाल वेस्टर्न रेलवे पर है।

श्री नरेश अग्रवाल: सभापति महोदय, मुझे बड़ी खुशी हुई कि आप अन्तर्यामी भी हो गए हैं और उत्तर प्रदेश का आपको विशेष ध्यान रहा होगा।

सभापति महोदय, मान्यवर, हर साल एक फैशन सा हो गया जब रेलवे का बजट पेश होता है और उसमें तमाम नई योजनाओं की घोषाणाएं कर दी जाती हैं। लेकिन यह नहीं देखा जाता कि उनका पैसा कहां से आएगा और वे कब पूरी होंगी। माननीय सदस्य इस बात को भी कह रहे थे कि 1994-95 व 1989-90 की योजनाएं अभी तक पूरी नहीं हुईं। माननीय मंत्री महोदय, मैं जानना चाहता हूं कि पिछले तीन बजटों में आपने कितनी नई योजनाएं अब तक घोषित की हैं और उन योजनाओं पर कितना पैसा खर्च होगा? और क्या आप यह भी बतलाएंगे कि बजट घाटे को देखते हुए ...(***व्यवधान***)

श्री सभापति: नरेश जी, यह सवाल इससे रिलेटिड नहीं हैं।

श्री नरेश अग्रवाल: आप सुन लीजिए।

श्री सभापति: वेस्टर्न रेलवे पर सवाल है, आप उस पर सप्लीमेंट्री पूछ लीजिए।

नहीं, नहीं। नरेश जी, यह सवाल इससे रिलेटिड नहीं है। यह वेस्टर्न रेलवे पर सवाल है, आप उस पर सप्लीमेंटरी पूछें।

श्री नरेश अग्रवाल: माननीय चेयरमैन साहब, मैंने उस क्वैश्चन को कोई नॉर्दर्न रेलवे में बदलने की कोशिश नहीं की है। मैं तो मंत्री महोदय से पूछ रहा हूं कि टोटल तीन साल में कितनी घोषणाएं की गईं और उन पर कितना रुपया खर्च होगा? हम कहते हैं कि आप खाली वेस्टर्न रेलवे को बता दें कि वेस्टर्न पार्ट ऑफ द कंट्री, इस देश के पश्चिमी भाग के लिए पिछले तीन साल में इन्होंने कितनी योजनाएं घोषित की हैं, उन पर कितना रुपया लगेगा? और, अंतर्राष्ट्रीय दबाव में जो इन्होंने रेलवे किराया नहीं बढ़ाया है, घाटे को देखते हुए रुपया कहां से लाएंगे?

श्री सभापति: नहीं, यह सवाल इससे लिंक नहीं है। ...***(व्यवधान)***

श्री नरेश अग्रवाल: अंतर्राष्ट्रीय हटा दें। अच्छा, किसी के दबाव में चलिए, किसी के दबाव में मान लें।...***(व्यवधान)***

श्री सभापति: नहीं, नहीं। Let us get on with the Question Hour.

श्री नरेश अग्रवाल: महोदय, हमारा खाली इतना जवाब दिला दीजिए कि पिछले तीन साल में कितनी योजनाएं घोषित हुईं, उन पर कितना पैसा लगेगा और वह पैसा कहां से आएगा?

श्री सभापति: वह इंफोरमेशन आपको बजट डॉक्युमेंट से मिल जाएगा। वह आपको भेज देंगे। ...***(व्यवधान)***

श्री नरेश अग्रवाल: श्रीमान अगर सब कुछ लाइब्रेरी और बजट डॉक्युमेंट से मिल जाएगा, तो फिर हम सब लोग यहां बेकार बैठे हैं। ...***(व्यवधान)***

श्री सभापति: मंत्री जी आपको भेजेंगे।

श्री नरेश अग्रवाल: सर, आप हमें संरक्षण दीजिए। क्या नए सदस्यों को आप संरक्षण नहीं देंगे? सर, संरक्षण दीजिए। ...***(व्यवधान)***

श्री सभापति: नरेश जी, Please allow the other question to be answered.

श्री नरेश अग्रवाल: सर, मेरे सवाल का जवाब दिला दीजिए।

श्री भरतसिंह सोलंकी: सर, कुल मिलाकर 10 प्रोजेक्ट हैं, जिनमें से 4 हो गए हैं और 6 होने वाले है। गेज परिवर्तन के कुल 24 प्रोजेक्ट हैं, भविष्य में हम जिन्हें पूरे करने वाले हैं अभी 12 प्रोजेक्ट का सर्वे चल रहा है और जहां-जहां जरूरत होती है, उसकी राशि लगाई जाती है।

SHRI BAISHNAB PARIDA: Sir, I want to inform the hon. Minister about the pathetic condition in Odisha and want to know.

MR. CHAIRMAN: The question is on Western Railway. Please ask on Western Railway.

SHRI BAISHNAB PARIDA: Sir, with only 4 per cent of India's total track, the East Coast Railway caters to about 12 per cent of the total loading of the country which accounts for around 7 per cent of the total earnings of the Indian Railways and is thus a cash cow for the entire country. However, on account of persistent apathy of the Centre, Odisha has always missed..

MR. CHAIRMAN: This is not a question on railways in Odisha.

SHRI BAISHNAB PARIDA: My question is, even after 64 years of Independence, Odisha's seven districts are not having any railway line. I want to inform the Minister that the Bolangir-Khurda line, which is 192 kms, in 20 years, only 30 kms line is constructed. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: This is not a question which relates to it. ...*(Interruptions)*... Mr. Rupala.

श्री पुरुषोत्तम खोडाभाई रूपाला: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं, जैसा कि उन्होंने अपने जवाब में बताया कि राजकोट-वेरावल और सोमनाथ के अमान परिवर्तन का कार्य पूरा हो गया है, लेकिन उसमें कोडिनार का जिक्र नहीं है, जबकि कोडिनार का पहले घोषित भी किया गया था, तो सोमनाथ से कोडिनार का जो कार्य था, उसकी स्थिति क्या है और उसे कब तक पूरा करेंगे?

श्री भरतसिंह सोलंकी: सभापति महोदय, जैसाकि माननीय सदस्य जानना चाहते हैं कि यह सोमनाथ-कोडिनार का काम कब तक पूरा किया जाएगा, वैसे राजकोट से वेरावल का ट्रैफिक का ओपन तो गया है, वेरावल-सोमनाथ का भी हो गया है, वासलिया-जैतलसर भी हो गया है, शाहपुर-सरदिआ भी हो गया है और सोमनाथ-कोडिनार जो 36.95 किलोमीटर है,

†Original notice of the question was received in Hindi.

सेंक्शन हो गया है, जो न्यू लाइन है, इसको कहते हैं मैटिरियल मोडिफिकेशन, जो मेन लाइन से निकलकर दूसरे हटकर लाइन ली जाती है, इससे पूरी सोसायटी को, सबको लाभ होता है। फरवरी, 2011 में इसकी कोस्ट 252.68 करोड़ थी और इसका पार्ट एस्टीमेट फोर अप्रेजल तैयार किया गया है। यह अंडर प्रिपरेशन है। इसका काम जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिश करेंगे।

श्री पुरुषोत्तम खोडाभाई रूपाला: सर, इसमें जल्द की जगहज कोई तारीख डाल दें, आपका इलाका है।

श्री सभापति: क्वैश्चन 323.

The question Dr. C.P. Thakur was absent

फलों और सब्जियों की बर्बादी

***डॉ. सी.पी. ठाकुर**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार ने फलों और सब्जियों की बर्बादी को रोकने के लिए क्या-क्या उपाय किए हैं;

(ख) प्रतिवर्ष अनुमानतः कितने मूल्य के फल और सब्जियां बर्बाद हो जाते हैं;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकार ने किसानों के हित में फलों और सब्जियों के लिए शीत-भंडारण क्षमता में वृधि करने के लिए शीत भंडार-गृहों के निर्माण पर कितनी धनराशि व्यय की है; और

(घ) कितने नए शीत-भंडार गृहों का निर्माण किया गया है और उनकी कुल भंडारण क्षमता कितनी-कितनी है?

कृषि मंत्री (श्री शरद पवार): (क) फलों एवं सब्जियों में कटाई पश्चात नुकसानों को कम करने के लिए उपाय करना राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एनएचएम), उत्तर प्रदेश तथा हिमालयी राज्यों के लिए बागवानी मिशन (एचएमएनईएच) और वर्तमान में कृषि मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की गई राष्ट्रीय बागवानी (एनएचबी) स्कीमों का एम महत्वपूर्ण घटक है। इनमें शीत भंडारण/नियंत्रित/संशोधित वातावरण (सीए/एमए) अवसंरचना के विकास, रीफर वैनों इत्यादि के लिए सब्सिडियों के प्रावधान शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमएफपीआई), वाणिज्य मंत्रालय कृषि एवं प्रसंस्कृत शद्य उत्पवाद निर्यात विकास प्राधिकरण (अपेडा) और राष्ट्रीय सहारी विकास निगम (एनसीडीसी) के माध्यम से शीत भंडार की स्थापना और कटाई पश्चात प्रबंधन सुविधाओं के लिए सहायता भी उपलब्ध करा रहे हैं।

(ख) केन्द्रीय कटाई पश्चात इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीएचईटी) (आईसीएआर लुधियाना) की रिपोर्ट के अनुसार, जोकि 2005 से 2007 के दौरान कराए गए राष्ट्रव्यापी नमूना सर्वेक्षण के आधार पर अप्रैल, 2010 में प्रकाशित हुई, फलों एवं सब्जियों की वार्षिक छीजन 5.8 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की सीमा में अनुमानित है। इस रिपोर्ट के अनुसार, 8 फलों (सेब, केला, निंबु वर्गीय, अंगूर, अमरूद, आम, पपीता, स्टोप) और 8 सब्जियों (गोभी, फुलगोभी, हरि मटर, खुंबी, प्याज, आलू, टमाटर, टैपियोका) की वार्षिक छीजन की अनुमानित कीमत 13.309 करोड़ रू0 हैं।

(ग) और (घ) वर्तमान सूचना के अनुसार गत तीन वर्षों (2009-12) के दौरान 5.56 मि0मि0 टप क्षमता के 1066 शीत भंडारण (सीए/एमए) अवसंरचना स्थापित की गई जिसमें 656.33 करोड़ रू0 की कुल सब्सिडी परिव्यय सम्मिलित था।